RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 312
दि. 16.03.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'निजी स्वार्थ के लिए...' विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर बरसे पीएम मोदी, बताया 'राजनीतिक कुकृत्य' लोकसभा स्पीकर को लिखी चिट्ठी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष के लाए अविश्वास प्रस्ताव के खारिज होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने स्पीकर को पत्र लिखा. पीएम मोदी ने बिरला की तारीफ करते हुए विपक्ष पर जमकर निशाना साधा.

नई दिल्ली, (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष की ओर लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के सदन में खारिज होने के बाद उन्हें एक पत्र लिखा और इस घटनाक्रम को एक 'राजनीतिक कुकृत्य' करार देते हुए सदन द्वारा इसे अस्वीकार किए जाने पर खुशी जताई.

संसदीय गरिमा की जीत

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा स्पीकर को लिखे लेटर में ओम बिरला के उस वक्तव्य की सराहना की, जो उन्होंने प्रस्ताव गिरने के बाद सदन में दिया था. पीएम मोदी ने लिखा, 'आपने जिस संतुलन, धैर्य और स्पष्टता के साथ संसदीय इतिहास और नियमों की सर्वोच्चता का उल्लेख किया, वह अत्यंत प्रभावशाली है. आपका वक्तव्य केवल उस क्षण का उत्तर नहीं, बल्कि भारतीय लोकतांत्रिक मयार्दा की एक गहरी व्याख्या है.'

'नियमों से ऊपर कोई नहीं'

पीएम मोदी ने लोकसभा में अध्यक्ष की भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि अध्यक्ष केवल कार्यवाही का संचालक नहीं, बल्कि संस्थागत गरिमा का संरक्षक होता है. उन्होंने बिरला के उस संदेश को दोहराया जिसमें उन्होंने कहा था कि 'सदन में कोई भी नियमों से ऊपर नहीं है.' आगे कहा कि उनका यह संदेश लोकतंत्र की मूल भावना को दोबारा स्थापित करने वाला है.

विपक्ष पर साधा निशाना

पत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि कुछ लोगों की परिवारवादी और सामंती सोच उन्हें नए और युवा जनप्रतिनिधियों को आगे बढ़ते हुए देखने नहीं देती. उन्होंने कहा, राजनीतिक असहमति अब 'अनादर' में बदलती जा रही है. निजी स्वार्थ और अहंकार के कारण संवैधानिक पदों की गरिमा को ठेस पहुंचाई जा रही है. पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन के समय भी इसी प्रकार की प्रवृत्तियां देखी गई थीं.

स्पीकर की तारीफ

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय दायित्वों के साथ-साथ अपने संसदीय क्षेत्र के प्रति ओम बिरला के लगाव की भी प्रशंसा की. उन्होंने हाल ही में कोटा एयरपोर्ट परियोजना के शिलान्यास का जिक्र करते हुए कहा कि एक जनप्रतिनिधि के रूप में बिरला का अपने क्षेत्र के प्रति संतुलन प्रेरणादायक है. प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि अध्यक्ष आगे भी इसी निष्पक्षता और निष्ठा के साथ सदन का संचालन करते रहेंगे, जिससे भारतीय संसदीय लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा.

यूपी दरोगा परीक्षा में पंडित वाले विवाद पर पहली बार बोले सीएम योगी, 'किसी भी जाति-पंथ का अपमान न करें'

सीएम योगी आदित्यनाथ ने 'पंडित' विवाद पर बड़ा आदेश देते हुए सभी भर्ती बोर्ड्स के अध्यक्षों को कहा है कि किसी भी व्यक्ति/ जाति/ पंथ/ संप्रदाय की मयार्दा और आस्था के बारे में अमर्यादित टिप्पणी ना करें.

(जीएनएस)। लखनऊः उत्तर प्रदेश में दरोगा की परीक्षा में एक सवाल ने प्रदेश में भूचाल ला दिया है. अवसर के अनुसार बदल जाने वाले सवाल में विकल्प के तौर पर पंडित ऑप्शन डालने पर बवाल मचा हुआ है. यहा तक कि योगी सरकार के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने भी इसे गलत ठहराते हुए इसकी निंदा की है. बढ़ते विवाद के बीच अब सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहली बार इस पर अपनी बात कही है.

सीएम योगी ने सभी भर्ती बोर्ड्स के अध्यक्षों को किसी जाति, पंथ और संप्रदाय की मयार्दा का ख्याल रखते हुए अमर्यादित टिप्पणी ना करने को कहा है.

पंडित वाले विवादित सवाल पर सीएम योगी ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी भर्ती बोर्ड्स के अध्यक्षों को कहा है कि किसी भी व्यक्ति/ जाति/ पंथ/ संप्रदाय की मयार्दा और आस्था के बारे में अमर्यादित टिप्पणी ना करें. इससे पहले डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी इसपर ऐतराज जता चुके हैं.

यूपी में 14 और 15 मार्च को दरोगा यानी उत्तर प्रदेश सब इंस्पेक्टर की परीक्षा आयोजित की जा रही है. परीक्षा के दौरान एक सवाल पूछा गया कि अवसर के अनुसार बदल जाने वाला, इस वाक्यांश के लिए एक शब्द का चयन कीजिए. विकल्पों में पंडित, अवसरवादी, निष्कपट और

मान्यवर कांशी राम की जयंती पर समाजवादी पार्टी कार्यालय श्रद्धांजलि अर्पित की गयी

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर स्वर्गीय कांशी राम की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छोटे लाल खरवार तथा अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राम निहोरे यादव ने की जबकि संचानल महासचिव सईद कुरैशी ने की।

शोषितों, वंचितों और पिछड़ों की आवाज बुलंद करने वाले बहुजन नायक मान्यवर कांशी राम की जयंती मनाने के लिए समाजवादिओं का भारी जमावड़ा देखने को मिला। जिसमें प्रमुख थे सांसद छोटे लाल खरवार, जिलाध्यक्ष राम निहोरे यादव, व्यास जी गोंड, अनिल यादव, जय प्रकाश पाण्डेय उर्फ चेखुर पाण्डेय, साईद कुरैशी, पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा, पूर्व विधायक रमेश चंद्र दूबे, बड़कू गोंड आदि ने एक स्वर में कहा कि मान्यवर कांशी राम ने समाज के उस तबके को हक और हिस्सेदारी

की राह दिखाई जो सदियों से हाशिये पर थे। उनकी बताये रास्ते और जिसकी जिसकी भागीदारी उसकी उतनी हिस्सेदारी के संकल्प को पूरा करने के लिये एक जुट हुए। उनके सामाजिक न्याय और समानता के महासंग्राम को आगे बढ़ाने के लिए संकल्प लिया गया।

इसके पूर्व मान्यवर कांशी राम के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

सिक्किम में अचानक बदला मौसम, तूफानी हवाओं, तेज बारिश और ओलावृष्टि ने मचाई तबाही, जारी की गई एडवाइजरी

सिक्किम के कई इलाकों में 15 मार्च की शाम मौसम अचानक खराब हो गया। तेज हवाएं भारी बारिश और ओले गिरने की घटनाओं ने कई स्थानों पर जनजीवन को प्रभावित किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि अचानक मौसम बदलने के कारण बाहर निकलना

मुश्किल हो गया और सड़क मार्ग असुरक्षित हो गए। अचानक मौसम में बदलाव के साथ तेज हवाएं चलने लगीं और जोरदार बारिश शुरू हो गई। इसके चलते कई इलाकों में वातावरण अस्थिर हो गया। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई, जिससे स्थानीय लोग और यात्री प्रभावित हुए और यात्रा करना कठिन

सीएम डॉ. मोहन यादव ने नेपानगर को दी 363 करोड़ की सौगात, कई विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मध्य प्रदेश के नेपानगर में ₹363 करोड़ से अधिक की 127 विकास परियोजनाओं के औपचारिक उद्घाटन और शिलान्यास की घोषणा की। इस योजना में रोजगार सृजन, कृषि और महिला कल्याण योजनाएं, बुनियादी ढांचे के उन्नयन और सांस्कृतिक विरासत के विकास पर जोर दिया गया है, साथ ही स्थानीय आजीविका और औद्योगिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता जताई गई है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 15 मार्च को बुरहानपुर जिले के नेपानगर में आयोजित जनजातीय सम्मेलन में ₹363 करोड़ से अधिक लागत के 127 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के समग्र विकास, रोजगार सृजन और किसानों-महिलाओं के कल्याण से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेपानगर प्राकृतिक संसाधनों और संभावनाओं से भरपूर क्षेत्र है, जहां कृषि से लेकर उद्योग तक अपनी अलग पहचान रखते हैं। उन्होंने युवाओं को प्रदेश में ही रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की जाएंगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों, महिलाओं और युवाओं के हित में लगातार योजनाएं लागू कर रही है, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कांग्रेस और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कार्यशैली पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि देश चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे समय में जिम्मेदार व्यवहार की आवश्यकता होती है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्ष लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को लेकर अनावश्यक विवाद खड़ा करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक तनाव और युद्ध जैसी परिस्थितियों के बावजूद देश में एलपीजी और कमर्शियल गैस की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है। उन्होंने बताया कि सरकार ने आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी और समन्वय बनाए रखा है।

किसानों और महिलाओं के लिए योजनाओं का जिक्र

मुख्यमंत्री ने किसान कल्याण वर्ष के तहत चल रही योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों को सम्मान निधि, विद्यार्थियों को किताबें, यूनिफॉर्म और साइकिल जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। साथ ही बालिकाओं को स्कूटी और लैपटॉप उपलब्ध कराने तथा दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आदिवासी कल्याण के लिए सरकार ने बड़े बजट प्रावधान किए हैं और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए एयर एंबुलेंस जैसी सुविधाएं शुरू की गई हैं।

नेपानगर के लिए प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के विकास के लिए कई घोषणाएं भी कीं। इनमें नेपानगर कॉलेज में कृषि विषय शुरू करना, धूलकोट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नत करना, लोखंडिया-हसीनाबाद मार्ग का चौड़ीकरण, ताप्ती नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण और असीरगढ़ किले को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करना शामिल है।

इसके अलावा वनाधिकार पट्टों को रजिस्ट्री में बदलने, उनके सर्वेक्षण और संबंधित शुल्क में राहत देने जैसे फैसलों की भी घोषणा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन विकास कार्यों से क्षेत्र की आधारभूत संरचना मजबूत होगी और स्थानीय लोगों को रोजगार एवं बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

न्यायमूर्ति लखनऊ श्री राजेश सिंह चौहान, की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन

लखनऊ, माननीय प्रशासनिक न्यायमूर्ति लखनऊ श्री राजेश सिंह चौहान, की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 14.03.2026 का सफल आयोजन किया गया जिसमें 481112 वादों का सफल निस्तारण किया गया ।

जन सामान्य को त्वरित, सस्ता एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने हेतु आज दिनांक 14.03.2026 दिन शनिवार प्रातः 10:00 बजे पुराना उच्च न्यायालय लखनऊ में माननीय प्रशासनिक न्यायमूर्ति लखनऊ श्री राजेश सिंह चौहान की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन दीप प्रज्जवलन एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा में माल्यार्पण करके राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ किया गया। इसके पश्चात माननीय जनपद न्यायाधीश लखनऊ श्री मलखान सिंह द्वारा माननीय प्रशासनिक न्यायमूर्ति लखनऊ को स्मृति चिन्ह एवं गुलदस्ता भेंट किया गया। इसी क्रम में

माननीय डॉ0 मनु कालिया, सदस्य सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं समस्त अपर जिला जज तथा नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत श्री रवीन्द्र कुमार द्विवेदी, विशेष न्यायाधीश, सी0बी0आई0 सेन्ट्रल, लखनऊ एवं श्री जीवक कुमार सिंह, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के साथ समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेट बैंकों के पदाधिकारीगण, लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल के अधिवक्तागण, पराविधिक स्वयं सेवक, नामिका अधिवक्ता एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन शीतल प्रीयदर्शी, सिविल जज (सी0डि0) द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर वादकारियों के स्वाथ्य हेतु न्यायालय परिसर में मेगा हेल्थ कैंम्प एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसका शुभारम्भ माननीय प्रशासनिक न्यायमूर्ति लखनऊ श्री राजेश सिंह चौहान द्वारा फीता काटकर किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ करते हुये माननीय प्रशासनिक न्यायमूर्ति लखनऊ श्री राजेश सिंह चौहान द्वारा अधिक से अधिक वाद सुलह समझौते के आधार पर लोक अदालत में निस्तारित किये जाने का आवाहन किया गया।

जनपद न्यायालय लखनऊ सहित मोटर दावा दुर्घटना अधिकरण, पारिवारिक न्यायालय परिसर, वाणिज्यिक न्यायालय, उपभोक्ता फोरम, कलेक्ट्रेट एवं समस्त तहसीलों आदि में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आज दिनांक 14-03-2026 को किया गया ।

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में बड़ा फेरबदल, 3 आईपीएस अफसरों के तबादले, रवीना त्यागी बनीं डीसीपी ट्रैफिक

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में तीन आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। डीसीपी ट्रैफिक कमलेश कुमार दीक्षित को हटाकर मुख्यालय भेज दिया गया है।

लखनऊः (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पुलिस कमिश्नरेट में प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। तीन आईपीएस अधिकारियों के तबादले के साथ उनकी जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है। इस बदलाव के तहत डीसीपी ट्रैफिक कमलेश कुमार दीक्षित को उनके पद से हटाकर मुख्यालय भेज दिया गया है, जबकि उनकी जगह आईपीएस रवीना त्यागी को डीसीपी ट्रैफिक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अलावा पुलिस उपायुक्त अनिल कुमार यादव के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव किया गया है। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में किए गए इस फेरबदल को प्रशासनिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है। वहीं, नई जिम्मेदारी मिलने के बाद रवीना त्यागी के सामने राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने की चुनौती होगी।

2018 बैच के क्ढर हैं अनिल यादव

2018 बैच के आईपीएस अधिकारी अनिल कुमार यादव को

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। आजमगढ़ के मूल निवासी अनिल यादव को डीसीपी क्राइम बनाया गया है। 1986 में जन्मे अनिल कुमार यादव ने बीए और बीएड की पढ़ाई की है। इससे पहले वह पुलिस मुख्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे थे। अब उन्हें राजधानी में अपराध नियंत्रण और बड़ी आपराधिक घटनाओं की निगरानी की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है।

2014 बैच की IPS हैं रवीना त्यागी

वहीं, नई डीसीपी ट्रैफिक बनीं आईपीएस रवीना त्यागी 2014 बैच की उत्तर प्रदेश कैडर की अधिकारी हैं। इससे पहले वह लखनऊ में डीसीपी मध्य के पद पर कार्य कर चुकी हैं। इसके अलावा कानपुर में डीसीपी ट्रैफिक के रूप में भी उन्होंने अहम जिम्मेदारी निभाई है। रवीना त्यागी ने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें एसपी साउथ, सीबीसीआईडी, डीसीपी साउथ और डीसीपी हेडक्वार्टर्स शामिल हैं। उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उन्हें कई सम्मान भी प्राप्त हुए हैं। उन्हें वर्ष 2022 में डीजी कमेंडेशन डिस्क सिल्वर, 2023 में गोल्ड और 26 जनवरी 2025 को प्लेटिनम सम्मान से नवाजा जा चुका है।

कमलेश कुमार दीक्षित को प्रमोट कर बनाया गया क्ढर

आईपीएस कमलेश कुमार दीक्षित लंबे समय से पुलिस सेवा में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के रहने वाले कमलेश दीक्षित का जन्म 15 अगस्त 1966 को हुआ था। उन्होंने एमए और एलएलबी की पढ़ाई पूरी की है। 1 अगस्त 1997 को उन्होंने उत्तर प्रदेश पुलिस में अपनी सेवा की शुरूआत की थी। अपने बेहतर कार्य प्रदर्शन के चलते उन्हें बाद में राज्य पुलिस सेवा से प्रमोट कर आईपीएस बनाया गया।

साइबर क्राइम से जुड़े मामलों में कमलेश दीक्षित ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में कई साइबर ठगी करने वाले गिरोहों का भंडाफोड़ किया और डिजिटल अरेस्ट जैसे नए तरीकों से ठगी करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

सम्पादकीय

चार राज्यों में चुनाव की घोषणा परिणाम 4 मई को होंगे घोषित

केंद्रीय चुनाव आयोग चार राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु तथा वेंद्र शासित प्रादेश पुडुचेरी विधानसभाओं के चुनावों की रविवार को घोषणा कर दी। सभी 5 विधानसभाओं के 824 सीटों पर 9 अप्रौल से 29 अप्रौल तक मतदान होगा और सभी के परिणाम 4 मई को घोषित होंगे।

इन विधानसभा चुनावों में असम और पुडुचेरी में भाजपा को अपनी सरकार बचाने की चुनौती है तो तृणमूल कांग्रेस के लिए पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु डीएमके के लिए और केरल वाम मोर्चे के लिए सत्ता कायम रखने की चुनौती है। असम में कांग्रेस भाजपा को कड़ी चुनौती देने की तैयारी में है तो पश्चिम बंगाल में भाजपा से टीएमसी को कड़ी चुनौती मिलनी है। केरल में वाम मोर्चा एलडीएफ लगातार दस वर्षो से शासन में है जबकि इस राज्य की परम्परा रही है कि एक बार एलडीएफ तो दूसरी बार कांग्रेस और मुस्लिम लीग के गठबंधन वाली यूडीएफ सत्ता में आती थी लेकिन 2021 में यह परम्परा टूटी और एलडीएफ दोबारा चुनाव जीत गई। 2026 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ के लिए केरल विधानसभा चुनाव जीतने की उम्मीद की जा सकती है किन्तु इसके लिए आवश्यक है कि कांग्रेस अपने परंपरागत वोटरों का विश्वास हासिल कर ले। कांग्रेस के परंपरागत वोटर ईसाई और मुस्लिम के बीच अब वह एकात्मकता नहीं रही जो पाटा को जीतने के लिए जरूरी होती है। जिस राज्य में विधानसभा और लोकसभा के टिकट मस्जिदों और चर्चो में सुनिाित किए जाते हों, उन राज्यों में मजहबी संवेदनशीलता के आधार पर ही टिकट भी बंटते हैं। जो ईसाई कांग्रेस को ही वोट देते अब वे विवश होकर वाम मोर्चा यानि एलडीएफ और भाजपा को वोट देने लगे हैं। भाजपा के राज्य इकाई के पदाधिकारियों की ज्यादा संख्या ईसाई समुदाय की है। इसका स्पष्ट कारण है कि राज्य में ईसाई समाज मुस्लिम लीग की आव्रमकता से भयभीत है।

रही बात तमिलनाडु की तो इस राज्य में भाजपा और कांग्रेस को उत्तर भारत की हिन्दी भाषी पाटा माना जाता है और द्रविण पार्टियां भले ही इनसे समझौते कर लेती हैं किन्तु वे कदापि नहीं चाहतीं कि ये दोनों अपना जनाधार बढ़ा लें। ये दोनों द्रविण पार्टियां भाजपा और कांग्रेस पार्टियों से अलग समझौते अवसर के अनुमान के आधार पर करती हैं। इसलिए कभी कांग्रेस एआईडीएमके से गठबंधन करती थी किन्तु अब डीएमके से करती है और भाजपा डीएमके से समझौता करती थी किन्तु अब एआईडीएमके के साथ गठबंधन में हैं। इस राज्य में गठबंधन करने में कोई पाटा किसी को अछूत नहीं मानती। द्रविण पार्टियों का हिन्दी के विरोध में एक जैसा ही दृष्टिकोण क्योंकि ये दोनों तमिल भाषा और तमिल संस्वृति के लिए हिन्दी को घातक मानती हैं।

इस राज्य में डीएमके और एआईडीएमके में से जो भी जनता का भरोसा हासिल करेगा वही जीत पाएगा। रही बात पुडुचेरी की तो इस वेंद्र शासित प्रादेश में उपराज्यपाल की शक्तियां अन्य वेंद्र शासित प्रादेशों की अपेक्षा कम जरूर हैं इसलिए विधानसभा चुनाव का महत्वपूर्ण राज्य के विधानसभा जैसा ही है। पुडुचेरी में कांग्रेस फिर भाजपा गठबंधन को चुनौती देगी। इसलिए यह सुनिाित कर पाना मुश्किल है कि चुनाव में कौन जीतेगा लेकिन इतना तो तय है कि पुडुचेरी भी देश के अन्य विधानसभा के वोटरों से भिन्न नहीं हैं। इसलिए सत्ता से बाहर होना या सत्ता को कायम रख पाना भाजपा और कांग्रेस के लिए एक जैसी ही चुनौती है। असल में असम और पश्चिम बंगाल में भी चुनाव कम दिलचस्पी नहीं हैं किन्तु दोनों ही राज्यों में सत्ताधारी पार्टियां अपनी विरोधी पार्टियों से ज्यादा सव्रिय और सुगठित होने के कारण सत्ता परिवर्तन के कारकों को प्राभावहीन साबित कर रहे हैं। इसलिए माना जाता है कि इन दोनों राज्यों में सीटों की संख्या में तो बदलाव संभव है किन्तु सत्ता में बदलाव की आशंका तो कम ही है। बहरहाल आज का वोटर पोंगापंथी नहीं है। वह जाति, धर्म, भाषा के आधार पर वोट करने से बचता दिख रहा है। राजनीतिक पार्टियां अपनी तरफ से कोशिश तो बहुत कर रही हैं किन्तु युवा वोटरों में अब पहले जैसी रूढ़िवादी प्रावृत्ति नहीं है।

राहुल गांधी को कांशीराम की अचानक आई याद, 'भारत रत्न' की कर दी मांग, आगबबूला हुई मायावती क्या बोलीं?

(जीएनएस)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अचानक से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम की अचानक याद आ गई है। राहुल गांधी ने 15 मार्च को अब कांशीराम को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' देने की वकालत की है। उन्होंने इस मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

अपने पत्र में, राहुल गांधी ने कांशीराम के सामाजिक न्याय और समानता के लिए आजीवन संघर्ष का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार कांशीराम ने दलितों, आदिवासियों, अन्य पिछड़े वर्गों (OBC) और अल्पसंख्यकों को राजनीतिक मुख्यधारा में जोड़ने के लिए अथक प्रयास किए। उनका लक्ष्य इन वंचित तबकों को सशक्त बनाना और उन्हें समाज में उनका उचित स्थान दिलाना था। कांशीराम जी ने देश के बड़े वंचित समाज को जोड़ने का ऐतिहासिक काम किया। उनके योगदान के लिए उन्हें भारत रत्न मिलना ही चाहिए।

"नेहरू होते तो कांशीराम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री होते"

वहीं एक दिन पहले कांग्रेस पार्टी ने लखनऊ में कांशीराम की जयंती पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें राहुल गांधी ने कांग्रेस के दलित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, " अगर जवाहरलाल नेहरू होते तो कांशीराम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री होते।"

आगबबूला हुईं बसपा सुप्रीमों मायावती, दिखाया आईना

राहुल गांधी के बयानों पर बसपा प्रमुख मायावती ने तत्काल पलटवार किया। लखनऊ में राहुल द्वारा कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग पर, मायावती ने कांग्रेस को 'आईना दिखाते हुए' एक लंबा पोस्ट लिखी। जिसमें मायावती ने अपने पोस्ट में तीखा सवाल उठाया।

मायावती ने लिखा, "जिन्होंने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को भारत रत्न लायक नहीं समझा और मान्यवर कांशीराम के निधन पर कांग्रेस सरकार रहते एक दिन का शोक तक नहीं मनाया, ऐसे में राहुल गांधी किस मुंह से कांशीराम जी के लिए ऐसी बातें कह रहे हैं।"

अचानक राहुल गांधी को क्यों याद आए कांशीराम?

कांग्रेस सांसाद राहुल गांधी को ही नहीं कांशीराम राजनीतिक रूप से सभी दलों के लिए महत्वपूर्ण बने हुए हैं, खासकर 2027 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए। दलित वोट सपा और कांग्रेस दोनों के राजनीतिक अस्तित्व से जुड़ गए हैं। यदि दलितों ने 2024 की तरह इन दलों का समर्थन किया, तो वे सत्ता में आ सकते हैं लेकिन अगर दलित, खासकर जाटव मतदाता, 2027 में बसपा के साथ बने रहे, तो अन्य दलों के लिए सरकार बनाना मुश्किल होगा। याद रहे उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित वोटर कई सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

सपा को चुनाव से पहले याद आए कांशीराम

इसलिए कांग्रेस ही नहीं, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव भी लगातार कांशीराम को अपना बनाने में लगे हैं। सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव और कांशीराम को एक साथ लेकर चल रहे हैं, और कई सालों से उनकी जयंती पर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें याद कर रहे हैं।

भाजपा भी चुनाव से पहले चल सकती है बड़ा दांव

वहीं उत्तर प्रदेश की सत्ता पर काबिज भाजपा भी इस दौड़ में शामिल है। भाजपा में भी कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग उठ रही है। एक धड़े का मानना है कि मोदी

दिव्या दत्ता अभिनीत 'चिरैया', एक प्रभावशाली सामाजिक ड्रामा, 20 मार्च 2026 से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा

SVF एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, शशांत शाह निर्देशित यह कहानी विवाह और खामोशी की भावनात्मक जटिलताओं को सामने लाती है

मुंबई, : परंपराओं और पारिवारिक रिश्तों की गर्माहट के पीछे, कई महिलाएं ऐसी सच्चाइयों के साथ जीती हैं जिनके बारे में कभी बात नहीं की जाती। अक्सर खामोशी को ही सौहार्द समझ लिया जाता है, जबकि सहमति को विवाह और सामाजिक मान्यताओं के नाम पर दबा दिया जाता है। आज जियोहॉटस्टार 'चिरैया' का ट्रेलर जारी कर रहा है। यह प्रभावशाली सामाजिक ड्रामा भारत में वैवाहिक बलात्कार जैसे महत्वपूर्ण विषय पर जागरूकता बढ़ाने और सोच में बदलाव की आवश्यकता को उजागर करने का प्रयास करता है। दिव्या दत्ता अभिनीत यह कहानी एक स्पष्ट और महत्वपूर्ण बात सामने रखती है: विवाह सहमति नहीं है, और शादी किसी महिला के शरीर, आवाज या चुनाव के अधिकार को समाप्त नहीं करती। समयानुकूल, भावनात्मक और बेबाक, 'चिरैया' समाज को सुनने, सवाल करने और उन सच्चाइयों का सामना करने की चुनौती देती है जो पीढ़ियों से घरों के भीतर छिपी हुई हैं।

20 मार्च 2026 को प्रीमियर होने वाली यह छह एपिसोड की सीरीज शशांत शाह द्वारा निर्देशित है और इसमें दिव्या दत्ता, संजय मिश्रा, सिद्धार्थ शॉ, प्रसन्ना बिष्ट, फैसल राशिद, टीनू आनंद, सरिता जोशी और अंजुम सक्सेना जैसे कलाकार शामिल हैं। यह एक भावनात्मक रूप से परतदार कहानी प्रस्तुत करती है जो यह दिखाती है कि कैसे खामोशी अन्याय को सक्षम बना सकती है और उसका सामना करने के लिए कितनी हिम्मत की आवश्यकता होती है।ट्रेलर कमलेश के जीवन की एक झलक पेश करता है, जो एक घनिष्ठ परिवार की आदर्श बहू है, जिसकी प्रतीत होने वाली स्थिर दुनिया तब टूटने लगती है जब उसे पता चलता है कि उसकी ननद पूजा अपने विवाह के भीतर यौन शोषण का सामना कर रही है। जैसे-जैसे कठिन सच्चाइयाँ सामने आने लगती हैं, कमलेश खुद को परिवार की इज्जत की रक्षा करने और सही के लिए खड़े होने के बीच उलझा हुआ पाती है। जो शुरूआत में एक शांत चिंता के रूप में शुरू होता है, वह धीरे-धीरे गहराई से जड़ जमाए पितृसत्तात्मक विश्वासों के खिलाफ एक व्यक्तिगत संघर्ष में बदल जाता है, जो उसे उन सभी बातों पर सवाल उठाने के लिए मजबूर करता है जिन पर वह पहले विश्वास करती थी और जिनका समर्थन करती थी, साथ ही इस असहज वास्तविकता का सामना भी कराता है कि सहमति को विवाह के भीतर भी स्वतः मानकर नहीं

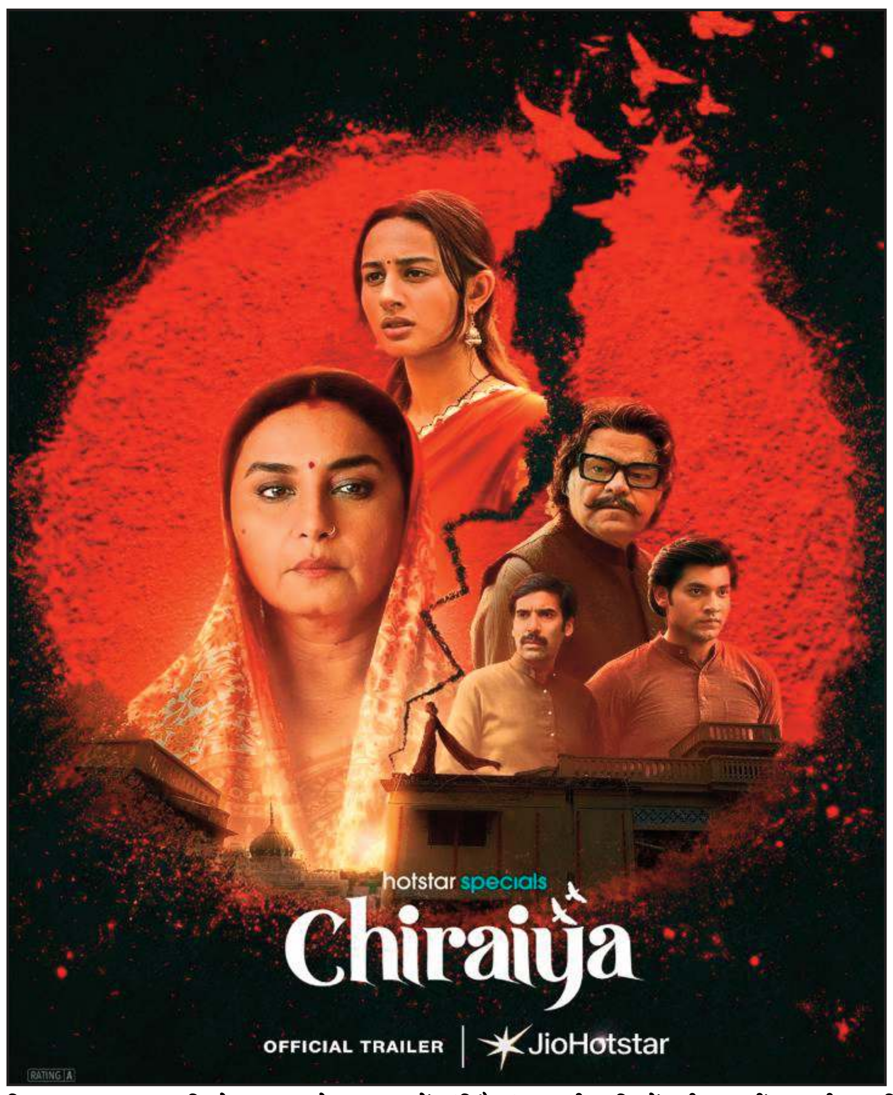

लिया जा सकता।जियो स्टार के आलोक जैन ने कहा'हम वास्तव में मानते हैं कि शक्तिशाली कहानियाँ दिलों को खोल सकती हैं और ऐसी बातचीत शुरू कर सकती हैं जो महत्वपूर्ण होती हैं। 'चिरैया' हमारे लिए बहुत खास है क्योंकि यह दर्शकों तक ईमानदार, साहसिक और प्रासंगिक कहानियाँ लाने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। यह एक ऐसा विषय है जिसे हमेशा रोजमर्रा की बातचीत में जगह नहीं मिलती, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि ऐसी कहानियाँ ईमानदारी, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कही जाएँ। यह सीरीज इस विषय को संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ प्रस्तुत करती है, साथ ही भावनात्मक रूप से प्रामाणिक बनी रहती है। अपने मूल में, 'चिरैया' मानवीय रिश्तों की कहानी है — एक-दूसरे को थोड़ा बेहतर समझने की, और दर्शकों को रुककर सोचने तथा कहानी से अपने स्वयं के अर्थपूर्ण संबंध बनाने के लिए प्रेरित करने की।'रश्क्र एंटरटेनमेंट की ओर से बिजनेस हेड झ्र रश्क्र अभिषेक डागा ने कहा,'चिरैया' के साथ हम हिंदी लॉन्ग-फॉर्म स्पेस में एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं जो असहज करने वाली होने के साथ-साथ आवश्यक भी है। ट्रेलर एक ऐसे नैरेटिव की झलक देता है जो असुविधाजनक सच्चाइयों का सामना करता है, जबकि मानवीय भावनाओं में गहराई से जड़ा हुआ रहता है। रश्क्र में हमारा मानना है कि ऐसी कहानियाँ न केवल दर्शकों को जोड़ने की क्षमता रखती हैं बल्कि सहमति, गरिमा और उन जटिल गतिशीलताओं पर विचार करने के लिए भी प्रेरित करती हैं जो अक्सर उन संस्थाओं के भीतर मौजूद होती हैं जिन पर हम बिना सवाल किए भरोसा करते हैं।'निर्देशक शशांत शाह ने कहा'चिरैया' का निर्देशन मेरे लिए भावनात्मक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण अनुभव था। शुरूआत से ही मैं एक गहराई से मानवीय कहानी बताना चाहता था। मुझे सबसे ज्यादा जो बात छू गई, वह यह थी कि इस कहानी की दुनिया कितनी सामान्य महसूस होती है। फिल्म में असहजता किसी चरम क्षण से नहीं आती, बल्कि रोजमर्रा की खामोशियों और सामान्यीकृत व्यवहार से आती है, जिन पर हम शायद ही कभी सवाल करते हैं। एक फिल्मकार के रूप में मेरी जिम्मेदारी थी कि इस विषय को संवेदनशीलता और सच्चाई के साथ संभालूँ, बिना इसे सनसनीखेज बनाए। सेट पर ऐसे कई दिन थे जब कलाकारों की परफॉर्मेंस पूरे टीम को शांत कर देती थी, क्योंकि भावनाएँ इतनी वास्तविक और घर के करीब महसूस होती थीं। 'चिरैया' किसी पर उंगली उठाने के बारे में नहीं है; यह एक आईना दिखाने के बारे में है। और मेरे लिए यही इसे शक्तिशाली बनाता है।'कमलेश की भूमिका निभाने वाली दिव्या दत्ता ने कहा''चिरैया' के साथ हम सिर्फ एक कहानी नहीं सुना रहे हैं; हम उन खामोशियों को आईना दिखा रहे हैं जिन्हें हमने विरासत में पाया है। मैं हमेशा उन किरदारों को लेकर सजग रही हूँ जिन्हें मैं जीवंत करती हूँ, लेकिन कमलेश अलग है। वह मेरे दिल का एक हिस्सा है। वह एक ऐसी महिला है जो उन मूल्यों से बंधी है जिन्हें उसने हमेशा संजोकर रखा है, फिर भी वह खुद को एक ऐसे मोड़ पर पाती है जहाँ परिवार के लिए उसका प्यार और अन्याय को नजरअंदाज करने से उसका इनकार आमने-सामने आ जाते हैं। उसका सफर कोई तेज विद्रोह नहीं है; यह एक शांत लेकिन शक्तिशाली जागृति है — एक महिला का डर के बजाय गरिमा को चुनना। इस किरदार को निभाना मुझे भीतर तक झकझोर गया, क्योंकि वह उन सच्चाइयों को दशार्ती है जो कई घरों के कोनों में छिपी हुई हैं। मुझे सच में उम्मीद है कि 'चिरैया' हमें उन 'मानदंडों' पर रुककर दोबारा सोचने के लिए प्रेरित करेगी जिन्हें हमने बिना सवाल किए स्वीकार कर लिया है। अब समय आ गया है कि हम उन बातचीतों की शुरूआत करें जो पीढ़ियों से लंबित हैं।'

संजय मिश्रा ने कहा,चिरैया' को प्रभावशाली बनाती है इसकी ईमानदारी। यह किरदारों को नायक या खलनायक के रूप में प्रस्तुत नहीं करती, बल्कि ऐसे लोगों के रूप में दिखाती है जो अपनी मान्यताओं, परवरिश और समाज के निर्णय के डर से आकार लेते हैं। मुझे यह बहुत पसंद आया कि कहानी परिवारों के भीतर की असहज सच्चाइयों को सामने लाती है और यह दिखाती है कि खामोशी अक्सर अन्याय की सबसे बड़ी सहायक बन सकती है। 'चिरैया' की पूरी टीम के साथ काम करना मेरे लिए बहुत समृद्ध अनुभव रहा। दिव्या एक प्रशंसनीय कलाकार और बेहद शानदार अभिनेता हैं। इतनी संवेदनशीलता और गहराई के साथ ऐसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे को संबोधित करने वाली कहानी का हिस्सा बनना वास्तव में बहुत मायने रखता है।'

आईपीएल की तैयारी हुई तेज, सुपर जायंट्स टीम पहुंची लखनऊ

प्रैक्टिस कल सोमवार से शुरू हो रहा, यह कैंप खिलाड़ियों को मैच की परिस्थितियों के लिए तैयार करने में मददगार होगा.

लखनऊः (जीएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के आगामी सीजन के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (छरत्र्) ने अपनी कमर कस ली है. टीम के कोचों और प्रमुख खिलाड़ियों का नवाबों के शहर लखनऊ में आगमन शुरू हो गया है. सोमवार से टीम के सभी खिलाड़ी भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में अपने पहले अभ्यास सत्र की शुरूआत करेंगे. यह सत्र ग्लोबल क्रिकेट डायरेक्टर टॉम मूडी और मुख्य कोच जस्टिन लैंगर के मार्गदर्शन में होगा.

ऋषभ पंत की कप्तानी में नई शुरूआतः आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स की कमान भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत के हाथों में होगी. ऋषभ पंत की कप्तानी में टीम इस बार अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार है. टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि पंत का आक्रामक नेतृत्व और अनुभव टीम को पहली बार खिताब दिलाने में मददगार साबित होगा. इकाना स्टेडियम में होने वाले अभ्यास के दौरान पंत अपनी नई टीम के साथ तालमेल बिठाते नजर आएंगे.

दिग्गज खिलाड़ियों से सजी टीमः इस सीजन में लखनऊ की टीम में एडन मार्करम, मिशेल मार्श, मोहम्मद शमी और आवेश खान जैसे कई अंतरराष्ट्रीय दिग्गज शामिल हैं. इनके अलावा अब्दुल समद और अर्जुन तेंदुलकर जैसे युवा और प्रभावशाली खिलाड़ी भी टीम को मजबूती प्रदान कर रहे हैं. अनुभवी गेंदबाजों और धाकड़ बल्लेबाजों की मौजूदगी के कारण लखनऊ सुपर जायंट्स को इस बार खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है. टीम के खिलाड़ियों का अनुभव और जोश इस बार मैदान पर बड़ी चुनौती पेश करने वाला है.

कोचिंग स्टाफ और युवा प्रतिभाएंः अभ्यास सत्र के दौरान मुख्य कोच जस्टिन लैंगर के साथ सहायक कोच लांस क्लूजनर भी खिलाड़ियों की तकनीक पर काम करेंगे. अभ्यास शिविर में मयंक यादव, हिम्मत सिंह, आकाश सिंह और मुकुल चौधरी जैसे युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए पसीना बहाएंगे. साथ ही अर्शीन कुलकर्णी, दिग्वेश सिंह और प्रिंस यादव जैसे उभरते सितारों पर भी प्रबंधन की विशेष नजर रहेगी. सोमवार से शुरू हो रहा यह कैंप खिलाड़ियों को मैच की परिस्थितियों

इंडस्ट्री को मिलेंगे नए सितारे! एकता कपूर ने शुरू किया 'हुनर', टैलेंट और कहानियों को मिलेगा नया मंच

बालाजी टेलीफिल्म्स का बड़ा कदमः 'हुनर' के साथ एकता कपूर टैलेंट मैनेजमेंट की दुनिया में कर रही हैं एंट्री

मुम्बई, एकता कपूर के नेतृत्व वाले बालाजी टेलीफिल्म्स ने 'हुनर' को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक नई टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी है, जो कलाकारों को निखारने और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कहानी कहने व परफॉर्म करने के कल्चर को मजबूत करने के लिए समर्पित है।हुनर' का मकसद बॉलीवुड और भारतीय टेलीविजन के मशहूर एक्टर्स और क्रिएटर्स को एक साथ लाना है। यह उन्हें एक ऐसा प्लेटफॉर्म देगा जो न केवल उनके आर्टिस्टिक ग्रोथ में मदद करेगा, बल्कि उन्हें अच्छे मौके दिलाने में भी साथ देगा। टैलेंट को तराशने और यादगार कहानियाँ बनाने की बालाजी की पुरानी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, इस पहल को कलाकारों को सही गाइडेंस, बेहतर रिप्रेजेंटेशन और एक ऐसा माहौल देने के लिए डिजाइन किया गया है जहाँ क्रिएटिविटी को बढ़ावा मिल सके।

नए वेंचर के बारे में अपना विजन शेयर करते हुए एकता कपूर ने कहा*, 'बालाजी में हमारा हमेशा से यह मानना रहा है कि टैलेंट तभी निखरता है जब उसे सही माहौल और प्रोत्साहन मिले। 'हुनर' के जरिए हम एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाना चाहते हैं जहाँ कलाकारों को न सिर्फ रिप्रेजेंट किया जाए, बल्कि उन्हें सही मायनों में समझा भी जाए। हमारा मकसद उन्हें सोच-समझकर गाइडेंस देना, उनकी खूबियों के हिसाब से मौके तलाशने में मदद करना और लंबे समय तक उनके विकास में साथ देना है। यह एक ऐसा सफर बनाने के बारे में है जहाँ टैलेंट को आगे बढ़ने, एक्सपेरिमेंट करने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने का मौका मिले।इस शानदार लॉन्च का जश्न मनाने के लिए, प्रतिष्ठित फेयरमोंट मुंबई में एक एक्सक्लूसिव 'हुनर लॉन्च पार्टी' आयोजित की जाएगी। इस ग्लैमरस शाम में बॉलीवुड और टेलीविजन के दिग्गज सितारे, इंडस्ट्री लीडर्स, क्रिएटर्स और मीडिया जगत के लोग शामिल होंगे, जो कंपनी की इस भव्य शुरूआत के गवाह बनेंगे।एकता कपूर हमेशा से नए टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए जानी जाती हैं। इस प्रोड्यूसर ने इंडस्ट्री को आज के दौर के कई मशहूर चेहरे दिए हैं और 'हुनर' के साथ वह अपने इसी विजन को और विस्तार दे रही हैं। 'हुनर' के जरिए बालाजी टेलीफिल्म्स एंटरटेनमेंट की दुनिया में अपनी पकड़ और मजबूत कर रहा है, जो कहानी कहने के अपने जुनून के साथ-साथ कलाकारों के बढ़ने, जुड़ने और चमकने के लिए एक खास जगह तैयार कर रहा है।

30 और 31 मार्च को लखनऊ में होगा ' यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव-2026

समारोह में शामिल होंगी नामचीन फिल्मी और उद्योग जगत की हस्तियां

लखनऊ। द फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आगामी 30 और 31 मार्च को संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी गोमती नगर लखनऊ में 'यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026' का आयोजन किया जाएगा।

इस बात की जानकारी फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रमेश मिश्रा ने देते हुए बताया कि यह दो दिवसीय यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026 सिनेमा, रचनात्मकता और सांस्कृतिक संवाद को समर्पित होगा, जिसमें देश-विदेश के फिल्मकार, निर्देशक, कलाकार, निमार्ता और सांस्कृतिक जगत से जुड़े कई प्रमुख लोग भाग लेंगे।

उन्होंने बताया कि कॉन्क्लेव में फीचर फिल्म, शॉर्ट फिल्म और डॉक्यूमेंट्री फिल्म जैसी श्रेणियों पर विशेष फोकस रहेगा। कार्यक्रम के दौरान फिल्म स्क्रीनिंग, पैनल चर्चा,

नेटवर्किंग सत्र और फिल्म उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों के साथ संवाद जैसे कई महत्वपूर्ण आयोजन किए जाएंगे।

इस वर्ष कॉन्क्लेव में फिल्म और टीवी जगत की कई चर्चित हस्तियां भी शिरकत करेंगी। इनमें अभिनेता राजेश जैस, अभिनेता आदित्य श्रीवास्तव, अभिनेता प्रमोद पाठक, अभिनेत्री मीनाक्षी दीक्षित, अभिनेता जाकिर हुसैन सहित अन्य हस्तियां शामिल होंगी।

कॉन्क्लेव के बारे में जानकारी देते हुए रमेश मिश्रा अध्यक्ष फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया आगे बताया कि यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026 का मुख्य उद्देश्य सिनेमा के माध्यम से रचनात्मकता और सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देना है। यह मंच देश और दुनिया के फिल्मकारों, कलाकारों और रचनात्मक व्यक्तित्वों को एक साथ लाकर सार्थक चर्चा और सहयोग के नए अवसर पैदा करेगा।

फिल्म निर्देशक एवं फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया के संस्थापक-अध्यक्ष दुर्गेश पाठक ने बताया कि यह कॉन्क्लेव उभरते हुए फिल्मकारों और युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि यह मंच उत्तर प्रदेश में फिल्म और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा देगा और राज्य को फिल्म, कला और रचनात्मक उद्योगों के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

द गुरुकुलम स्कूल व एसएनआई के साथ आरएसजी स्टेडियम में वॉकाथॉन, जुम्बा व योग सत्र का आयोजन

डॉ. नीरज बोरा ने दिखाई वॉकाथॉन को हरी झंडी, जुम्बा व योग सत्र में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

लखनऊ अलीगंज स्थित रॉयल स्पोर्ट्स गंज (आरएसजी) स्टेडियम में रविवार को आयोजित 'फिट-टेस्ट फैमिली एरीना वॉकाथॉन एवं फिटनेस कार्यक्रम' में खिलाड़ियों, छात्रों और फिटनेस प्रेमियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

सनातन की रक्षा के लिए नारी शक्ति को निभानी होगी अग्रणी भूमिका : महेंद्र प्रताप

–चैतन्य विहार में चल रही कथा में उठाया श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति का मुद्दा

मथुरा (जीएनएस)। सनातन धर्म की रक्षा और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए नारी शक्ति को आगे आकर अपनी अग्रणी भूमिका निभानी होगी। इतिहास गवाह है कि जब भी हिंदू समाज और मठ मंदिरों पर संकट आया, तब मातृ शक्ति ने निर्णायक भूमिका निभाई है। सनातन की मजबूती के लिए मठ-मंदिरों को भी सशक्त करना आवश्यक है। यह विचार श्रीकृष्ण जन्मभूमि बनाम शाही ईदगाह मस्जिद प्रकरण के हिंदू पक्षकार एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने व्यक्त किए। वह वृंदावन के चैतन्य विहार कॉलोनी में आयोजित सरस महाराज की कथा के दौरान श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि सनातन धर्म और संस्कृति का प्रमुख केंद्र है। जहां भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्य हुआ था, वहां आज मस्जिद बनी हुई है। इस विषय के समाधान के लिए वह न्यायालय में मुकदमा लड़ रहे हैं और समाज में

जनजागरण के लिए जन आंदोलन भी खड़ा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में मातृ शक्ति का सक्रिय योगदान अत्यंत आवश्यक है। न्यास अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की प्राकट्य भूमि का गर्भगृह सनातन आस्था का मूल केंद्र है। ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार राजा बज्रनाभ ने वहां भव्य मंदिर का निर्माण कराया था, जिसे बाद में आक्रांताओं ने ध्वस्त कर दिया। उन्होंने बताया कि औरंगजेब द्वारा गर्भगृह स्थल पर ईदगाह मस्जिद बनाए जाने की पीड़ा आज भी हिंदू समाज के मन में जीवित है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में नारी शक्ति ने अपनी सशक्त भूमिका निभाई थी, आज ठीक उसी तरह से नारी शक्ति को श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति में अपनी अहम भूमिका निभानी होगी। तभी हमारे इष्ट आराध्य भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मुक्त हो पाएगी। उन्होंने बताया कि इसी ऐतिहासिक अन्याय के समाधान के लिए 23 दिसंबर 2020 को न्यायालय में वाद दायर किया गया था, जिसे स्वीकार किए जाने के बाद यह विषय जन-जन के विमर्श का केंद्र बन गया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह संघर्ष किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था, धैर्य और संकल्प का प्रतीक है। उनके इस कथन पर उपस्थित श्रद्धालु खड़े होकर तालियां बजाने लगे और पूरा पंडाल जयघोष से गूंज उठा। इस मौके जगद्गुरु विजय भैया, हनुमान टेकरी के महंत दशरथदास जी महाराज, अतुल कृष्ण शास्त्री, आचार्य बद्रीश, कन्हैया लाल शर्मा और श्यामनंद जी महाराज समेत प्रमुख संत भी मौजूद रहे।

भारतीय नववर्ष मेला 18 मार्च को लगेगा सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज में : भारतीय संस्कृति से ओत-प्रोत होगा नववर्ष मेला

पुरस्कार में मिलेगी नकद धनराशि

–मेला का मुख्य आकर्षण होगा बाबा सत्यनारायण मौर्य की संगीतमय प्रस्तुति "एक शाम राष्ट्र के नाम"

मथुरा (जीएनएस)। नववर्ष मेला समिति के तत्वावधान में नवसंवतसर की पूर्व संध्या पर 18 मार्च को सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज के मैदान पर आयोजित होने वाले विशाल नववर्ष मेला के संबंध मे सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर जुबली पार्क में रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए नववर्ष मेला समिति के महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया कि नववर्ष मेला समिति मथुरा पिछले 25 वर्षों से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा संवत्सर की पूर्व संध्या पर भारतीय गौरवशाली परम्परा, इतिहास एवं स्वाभिमान के प्रतीक भारतीय नववर्ष पर परम्परागत रूप से विशाल नववर्ष मेला का आयोजन करती आ रही है। कहा कि इस वर्ष

नवसंवत्सर की पूर्व संध्या पर आयोजित विशाल नववर्ष मेला के संबंध में जानकारी देते हुए मेला महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव, अध्यक्ष कमलेश अरोड़ा और मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा।

पर यह विशाल मेला चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2083 की पूर्व संध्या पर चैत्र कृष्ण अमावस्या संवत 2082 तद्नुसार 18 मार्च को परम्परागत रूप से विभिन्न सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रमों के साथ आयोजित होगा। बताया कि इस नववर्ष समारोह में मुख्य अतिथि डीआईजी आगरा रेंज शैलेश पांडेय होंगे। मेला का मुख्य आकर्षण अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि, चित्रकार, गायक, प्रखर वक्ता एवं राष्ट्रप्रेमी कलाकार बाबा सत्यनारायण मौर्य की अद्भुत मंचीय प्रस्तुति "एक शाम राष्ट्र के नाम" होगा। वहीं मेला महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया कि भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए नवसम्वत्सर पर नववर्ष मेला वर्ष 2002 से शुरू हुआ है। तभी से यह मेला प्रतिवर्ष लगता है। इस वर्ष 25 वर्ष पूर्ण होने पर यह रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कहा कि नववर्ष मेला का शुभारंभ चैत्र कृष्ण अमावस्या संवत 2082 तदनुसार 18 मार्च को भूमि पूजन एवं हवन के साथ दोपहर 1 बजे से सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज के मैदान में होगा। मेला स्थल पर सायं 4:30 बजे से रंगोली, रूप सज्जा, सामूहिक एवं एकल नृत्य प्रतियोगिता होंगी। नववर्ष समारोह सांय 6:30 बजे दीप प्रज्जवलन से शुरू होगा।

बच्चों ने रखा पहला रोजा, स्कूल में धूमधाम से मनाई रोजा कुशाई

लखनऊ। मसरूर एजुकेशनल सोसाइटी के तहत संचालित सेन्ट रोज पब्लिक स्कूल, गढ़ी पीर खां ठाकुरगंज में रामजान की पवित्रता को बच्चों तक पहुँचाने के लिए रोजा कुशाई का खास आयोजन किया गया। इस समारोह में स्कूल के 10 बच्चे अपनी ज़िंदगी का पहला रोजा सफलतापूर्वक रखकर इस मुबारक मौके को सेलिब्रेट करने वाले बने।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मंसूर हसन खां ने की। पहली बार रोजा रखने वाले बच्चों में मो. हुजैफा अंसारी, अब्दुल रहमान, मुआज, फातमा जहरा, हिबा खान, अबु तलहा अंसारी, मो. हम्जा, अब्दुल रज्जाक, सबीहा बानो और जोहरा फातिमा शामिल थे।

रोजादार बच्चों और उनके माता-पिता का स्वागत फूलों की मालाओं से किया गया। नगमा परवीन और नगमा सबा ने बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बच्चों की खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था।

समारोह में डॉ. नसीम अहमद, सोहेल मसरूर खां, हाफिज जुनैद रहमानी, मो. साकिब, मो. आकिब, फहाम खान, अदनान दानिश, एडवोकेट एस. उस्मान दानिश, जमाल अख़्तर सहित बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक और समाजसेवी मौजूद रहे।

सभी ने देश-दुनिया में अमन-चैन, भाईचारा और खुशहाली के लिए दुआएँ मांगीं।यह आयोजन बच्चों में धार्मिक अनुशासन, उपवास की महत्ता और रामजान की रूहानीयत को जगाने का एक सराहनीय प्रयास रहा।

लखनऊ सपा नेता के रिसॉर्ट से 88 सिलेंडर बरामद, कालाबाजारी का आरोप

जिला प्रशासन और आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने मोहान रोड स्थित अभिनंदन रिसोर्ट पर छापेमार कार्रवाई की. जिसमें 88 गैस सिलेंडर बरामद हुए हैं. यह सपा सोनू कनौजिया का है.

(जीएनएस)।

ईरान-इजरायल-अमेरिका में जारी जंग के चलते देश में घरेलू गैस की किल्लत बढ़ गयी है. इस बीच उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एलपीजी सिलेंडर की कालाबाजारी का बड़ा मामला सामने आया है. जिला प्रशासन और आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने मोहान रोड स्थित अभिनंदन रिसोर्ट पर छापेमार कार्रवाई की. जिसमें 88 गैस सिलेंडर

बरामद हुए हैं. यह रिसोर्ट समाजवादी पार्टी नेता सुरेन्द्र कुमार उर्फ सोनू कनौजिया का है.

प्रशासन के मुताबिक यहां सिलेंडर कालाबाजारी के लिए ही रखे गए थे. जानकारी जुटाई जा रही है. आरोपी द्वारा कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया है. एजेंसी पत्नी मंजू कनौजिया के नाम पर है. इस मामले में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है.

रविवार सुबह प्रशासन की छापेमारी में 14.2 किलो के 65 खाली सिलेंडर, 9 भरे सिलेंडर, 5 किलो वाले 14 छोटे खाली सिलेंडर कुल मिलाकर 88 सिलेंडर जब्त किए गए हैं. माना जा रही है कि ये घरेलू उपयोग के सिलेंडर अवैध भंडारण और कालाबाजारी के लिए रखे गए थे, जबकि शहर में एलपीजी की भारी कमी से लोग परेशान हैं.

यह रिसोर्ट सपा नेता सुरेन्द्र कुमार उर्फ सोनू कनौजिया है.जबकि गैस एजेंसी की स्वामी उनकी पत्नी मंजू कनौजिया हैं. उन्हीं के नाम पर भारत गैस कंपनी की एजेंसी संचालित है. सूचना के बाद यहां छापा मारा गया और बड़ी मात्रा में सिलेंडर मिले हैं.

अधिकारियों ने बताया कि काकोरी थाने में आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 की धारा 3/7 के तहत ऋफ़दर्ज की गई है. जिसमें मंजू कनौजिया नाम्जाद, एक वाहन, जिसका मालिक जमील अहमद, और साहिल, मुन्ना उर्फ इक्तदा, सुरेन्द्र कुमार कनौजिया का नाम शामिल है.

यहां बता दें कि लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में इन दिनों एलपीजी की किल्लत से लोग जूझ रहे हैं. ऐसे में कालाबाजारियों के खिलाफ खुद सीएम योगी ने सकहत एक्शन लेने के लिए निर्देश अधिकारियों को दिए हैं. फिलहाल इस कार्रवाई से पूरे शहर में हड़कम्प मचा हुआ है.

साइबर जागरूकता से ही धोखाधड़ी पर लगाम संभव

(जीएनएस)।

शक्तिनगर (सोनभद्र)। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर शक्ति नगर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम एवं तृतीय की ओर से आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर (दिन- रात) के पांचवे दिन 15 मार्च 2026 को "साइबर जागरूकता" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता आईटी सेल एनटीपीसी शक्तिनगर के उमाशंकर द्विवेदी ने साइबर सुरक्षा से संबंधित विशिष्ट तथ्यों पर स्वयंसेवकों के साथ जानकारी साझा किया। उन्होंने कहा कि साइबर क्राइम के बढ़ते घटनाओं पर नियंत्रण पाने के लिए साइबर जागरूकता ही एक प्रभावी कदम है। साइबर जागरूकता से साइबर यूजर्स को किसी भी प्रकार के ट्रिपिंग से आसानी से बचाया जा सकता है और अनेक प्रकार के उनके

साथ होने वाले धोखाधड़ी पर नियंत्रण प्राप्त किया जा सकता है। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक इस तरह की जागरूकता कार्यक्रमों से अपने आसपास के नागरिकों को इसके लिए अवश्य जागरूक करें। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० छोटे लाल प्रसाद ने साइबर क्राइम को एक महामारी की तरह बताया जो आए दिन हमारे सामाजिक जीवन में किसी न किसी रूप में घटित हो रही है। इसलिए स्वयंसेवक इसके खिलाफ अभियान चलाने का संकल्प ले रहे हैं। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० विनोद कुमार पाण्डेय ने शिविर के 100 स्वयंसेवकों को साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के संबंध में जानकारी दी एवं साइबर स्वच्छता केंद्र (सर्ट-इन) के संबंध में अवगत होने के लिए प्रेरित किया। स्वयंसेवक हिमांशु गुप्ता ने अतिथि महोदय का स्वागत किया और स्वयंसेविका अंजना आपूर्ति ने सबके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। शिविर के द्वितीय सत्र में स्वयंसेवकों ने दहेज प्रथा के खिलाफ जन जागरूकता के तहत एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इस नाटक का केंद्र बालिका सशक्तिकरण का संदेश स्थानीय नागरिकों को संप्रेषित करना था। इस कार्यक्रम में निशा, सोनम, प्रीति, कुमारी, खुशी, दिव्या, पल्लवी, मार्था, प्रिया, चांदनी, पूजा, आशुतोष सिंह,अंतिमा, साहिल का योगदान महत्वपूर्ण रहा।

विकास की दौड़ में मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखना बेहद जरूरी: बृजेश पाठक, मा. उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश।

*** निर्वाण अस्पताल द्वारा आयोजित कांफ्रेंस में डिजिटल एडिक्शन, पेरेंटिंग और बदलती जीवनशैली पर एक्सपर्ट्स ने साझा किए अनुभव**

*** मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशेषज्ञों को किया गया सम्मान**

एक 18 साल का युवा इस कदर गेम का एडिक्ट हो गया कि पहले उसने दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाई छोड़ दी और उसके बाद कोटा में कोर्स से ड्रॉप आउट लेकर वापस घर आ गया। पैरेंट्स ने जब उसकी दिनचर्या पर करीब से नजर रखी तो पता चला कि वह दिन में 18 घंटे से अधिक समय गेम देखता और खेलता था। इस डिजिटल एडिक्शन ने लगभग उसकी जिंदगी बर्बाद कर दी।

डिजिटल एडिक्शन से जुड़े ऐसे ही कई अलग-अलग दिलचस्प मुद्दों पर निर्वाण अस्पताल द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'साइकॉन 2026' सम्मेलन में चर्चा की गई, जिसमें पेरेंट्स और बच्चों के रिश्तों से लेकर उनसे जुड़ी चुनौतियों पर भी बात की गई। इस दौरान एक्सपर्ट्स ने बताया कि कैसे छोटी उम्र से ही पेरेंट्स बच्चों की शरारत से निजात पाने के लिए या फिर खाना खाने जैसी दैनिक क्रियाएं पूरी करवाने के लिए मोबाइल फोन का सहारा लेते हैं। यह मोबाइल फोन धीरे-धीरे कब उनके बच्चों की लत बन जाता है, उन्हें पता ही नहीं चलता।

ऐसी समस्याओं से बचने के लिए जरूरी है कि माता-पिता अपनी

पेरेंटिंग की जिम्मेदारी को समझें। बच्चों को मोबाइल फोन पकड़ाने की बजाय उन्हें रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरित करना अधिक जरूरी है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक और गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के कुलपति जयशंकर मिश्रा उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री डॉ. बृजेश पाठक ने कहा कि 35 साल पहले युवाओं में सब्सटेंस एब्यूज को सुधारने के लिए 'निर्वाण' द्वारा की गई इस शुरूआत को मैंने करीब से देखा है। वर्तमान समय में बच्चों के लिए काउंसलिंग की व्यवस्था बेहद आवश्यक हो गई है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमने तरक्की तो खूब की है, लेकिन उसके साथ-साथ जबरदस्त मानसिक दबाव के साथ जी रहे हैं। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखना जरूरी है। निर्वाण द्वारा आयोजित ऐसे कार्यक्रमों की हम सराहना करते हैं।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बताया कि एक स्टडी के अनुसार युवा प्रतिदिन 9 घंटे से अधिक मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसका असर उनकी मानसिक क्षमताओं पर पड़ रहा है। साथ ही पेरेंट्स को फिजिकल हाइजीन की तरह ही बच्चों के डिजिटल हाइजीन को भी सुनिश्चित करने की सलाह दी गई।

इन सत्रों में कई अहम विषयों पर सरल और दिलचस्प तरीके से चर्चा की गई। इनमें 'डिजिटल एज में न्यूरोप्लास्टिसिटी', 'मनोवैज्ञानिक बीमारियों के इलाज में आरटीएमएस जैसी नई न्यूरोटेक्नोलॉजी की भूमिका', 'क्या तकनीक हमारी जिंदगी आसान बना रही है या हमारी पहचान मिटा रही है?', 'खामोश जजमेंट और शोर भरी स्क्रीनः डिजिटल पेरेंटिंग की दुविधा', 'स्क्रोलिंग के बीच बढ़ती खामोशीः वैवाहिक रिश्तों में अनदेखी दूरी' और 'तकनीक के दौर में भावनाओं को संभालने की चुनौती' जैसे विषय शामिल रहे। इन सभी सत्रों में विशेषज्ञों ने डिजिटल जीवन, मानसिक स्वास्थ्य और रिश्तों पर तकनीक के बढ़ते प्रभाव को आसान भाषा में समझाने की कोशिश की।

'साइकॉन 2026' के दौरान मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कई वरिष्ठ विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया। लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रो. (डॉ.) टी.बी. सिंह और प्रो. (डॉ.) कृष्ण दत्त को मनोविज्ञान के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान के लिए प्रदान किया गया। वहीं नशा मनोचिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रो. (डॉ.) पी.के. दलाल को सम्मानित किया गया।

जनरल साइकियाट्री में उल्लेखनीय कार्य के लिए डॉ. एच. नायडू को पुरस्कार मिला, जबकि बाल और किशोर मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए प्रो. (डॉ.) प्रभात सिथोले को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मनो-यौन स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. आर.के. ठकराल को भी सम्मान प्रदान किया गया।

इसी क्रम में जेरियाट्रिक साइकियाट्री के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रो. (डॉ.) एस.सी. तिवारी को सम्मानित किया गया, जबकि साइकोथेरेपी और काउंसलिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. पल्लवी भटनागर को पुरस्कार दिया गया। रिहैबिलिटेशन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए रिचमंड फेलोशिप सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) ए.के. अग्रवाल को सम्मानित किया गया। व्यापक पेशेवर अनुभव और प्रशिक्षण के लिए प्रो. (डॉ.) अजय कोहली को सम्मान मिला। वहीं कम्युनिटी और सोशल साइकियाट्री के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. देवाशीष शुक्ला तथा पब्लिक मेंटल हेल्थ के क्षेत्र में योगदान के लिए डॉ. पी.के. श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया।

श्री सत्य साई सेवा संगठन द्वारा निःशुल्क हृदय रोग निदान शिविर का आयोजन

हजारों की संख्या में पहुचे हृदयरोगी

लखनऊ।भगवान श्री सत्य साई बाबा का दिव्य सन्देश की 'मरीज अस्पताल जाए बल्कि अस्पताल ही मरीज तक पहुंचे इस सन्देश को चरितार्य करते हुए आज भगवान के पावन आशीर्वाद से श्री सत्य साई सेवा संगठन, उत्तर प्रदेश व श्री सत्य साई हार्ट हॉस्पिटल अहमदाबाद व राजकोट, जिन्होंने इस वित्तीय वर्ष में पूरे भारत में 6 हृदय रोग निदान शिविर आयोजित किये और 1500 से ज्यादा सफल ऑपरेशन्स पूर्णता निशुल्क रूप से किये, के सहयोग से दिनाक 15.03.2026, रविवार को चांसलर क्लब, आशियाना, लखनऊ में द्वितीय हृदय रोग निदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रातः ४.०० बजे भगवान श्री सत्य साई बाबा की दिव्य उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ इस शिविर का शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर डॉ. मनोज भीमानी, निदेशक, श्री सत्य साई हार्ट अस्पताल, गुजरात, डॉ. विजय अग्रवाल, प्रख्यात बाल शल्य चिकित्सक सचिन नेब, प्रदेश अध्यक्ष, श्री सत्य साई सेवा संगठन, उत्तर प्रदेश तथा धनंजय शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष, श्री

सत्य साई सेवा संगठन, उत्तर प्रदेश उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन के पश्चात लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज व प्रदेश के अन्य जिलों से आए साई भक्तों द्वारा मंत्रोच्चारण किया गया। इसके साथ ही गुजरात के प्रतिष्ठित आठ चिकित्सकों की टीम द्वारा हृदय रोग शिविर का संचालन प्रारंभ किया गया।

इस शिविर में रोगियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। 400 से अधिक रोगियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया था, साथ ही लगभग 1000 ऐसे रोगी भी शिविर में उपस्थित हुए जो ऑनलाइन पंजीकरण नहीं करा सके थे।

इस अवसर पर न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान, उच्च न्यायालय, लखनऊ ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्होंने अपने उद्बोधन में भगवान श्री सत्य साई बाबा की शिक्षाओं एवं मानवता के कल्याण हेतु प्रारंभ की गई उनकी विभिन्न सेवाओं और परोपकारी परियोजनाओं का उल्लेख किया।

डॉ. मनोज भीमानी, निदेशक, श्री सत्य साई हार्ट अस्पताल, गुजरात ने अपने राम्बोधन में आये हुए उपस्थित जनों व रोगियों को अस्पताल ¨ द्वारा दी जाने वाली निःशुल्क व्यवस्थाएँ व सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया। तत पश्चात संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री सचिन नेब ने अपने सम्बोधन में इस शिविर के आयोजन में संगठन के साई भक्तो दवारा किये गए प्रयासी की प्रशंसा की और उनको प्रोत्साहित किया।

भगवान बाबा का संदेश है "Love All, Serve All (सबसे प्रेम करो, सबकी सेवा करो)। उनकी इसी शिक्षा को केंद्र में रखते हुए यह शिविर पूर्णतः निःशुल्क आयोजित किया गया। इस शिविर से उत्तर प्रदेश के 500 से अधिक रोगियों ने लाभ प्राप्त किया। ये अधिकांशल समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से थे, जिनके लिए हृदय रोग का उपचार या ऑपरेशन कराना संभव नहीं था।

65 वर्ष तक की आयु के ऐसे रोगियों, जो CABG, PDA, MVR. ASD आदि हृदय रोगों से पीड़ित थे, का गहन परीक्षण 24 ECHO ¨ द्वारा किया गया और उन्हें उचित परामर्श दिया गया। इनमें से 180 रोगियों, जिन्हें शल्य चिकित्सा की अत्यंत आवश्यकता थी, उन्हें श्री सत्य साई अस्पताल, अहमदाबाद एवं राजकोट में ऑपरेशन हेतु तिथियाँ प्रदान की गई। यह समस्त शल्य चिकित्सा भी पूर्णतः निःशुल्क संपन्न की जाएगी।

शिविर के दौरान भगवान श्री सत्य साई बाबा के शताब्दी जन्मोत्सव वर्ष के अंतर्गत निरंतर 100 भजनों का आयोजन भी किया गया, जिसमें कानपुर, बरेली, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ व प्रदेश के अन्य जिलों की भजन मंडलियों ने आग लेकर मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। इन अजनों से समस्त वातावरण दिव्य आध्यात्मिक अजी से ओतप्रोत हो गया और उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने उस दिव्यता का अनुभव किया।

चिल्काडांड मार्केट में भीषण आग, कबाड़ की दुकान व कार जलकर खाक

--स्नेहा जायसवाल

शक्तिनगर (सोनभद्र) ।थाना क्षेत्र के चिल्काडांड मार्केट में शुक्रवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से एक कबाड़ की दुकान और कार जलकर खाक हो गई। घटना से बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार चिल्काडांड मार्केट निवासी विनोद केशरी उर्फ बबलू केशरी की कबाड़ की दुकान है। ठीक बगल में वीरेंद्र केशरी की चाय-समोसा और नमकीन की गुमटी रखी हुई थी। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि गुमटी में जल रही कोयले की भट्टी से आग लगी होगी, जो देखते ही देखते पास की कबाड़ की दुकान तक फैल गई।

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आकर कबाड़ की दुकान में रखा कार्टून, पेपर, कॉपी-किताब, कांटा सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। वहीं अवधेश केशरी की एक कार पूरी तरह जल गई, जबकि अवधेश सोनी की एक अन्य कार लगभग 5 से 7 प्रतिशत तक क्षतिग्रस्त हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। करीब आधे घंटे बाद एनटीपीसी की फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक दुकान और कार जलकर खाक हो चुकी थी।

मान्यवर काशीराम जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है- मिठाई लाल भारती

लखनऊ/देवरिया/ सामाजिक परिवर्तन के महानायक, वंचितो के मसीहा, बहुजन नायक मान्यवर कांशी राम साहब का जन्म दिन बहुजन समाज दिवस अर्थात पीडीए दिवस बहुत धूमधाम के साथ मनाया गया ! कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सपा बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मान्यवर काशीराम जी का जीवन हम सभी के

लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि हमें उनके बताए रास्ते पर चलते हुए समाज में समानता, भाईचारा और न्याय की स्थापना के लिए निरंतर संघर्ष करना चाहिए। उन्होंने कार्यकताओं से आ'ान किया कि वे गरीब, दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा आगे आएं। सपा कार्यकताओं ने काशीराम जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। श्री भारती ने कहा कि मान्यवर काशीराम साहब ने कहा था जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी भागीदारी। वोट हमारा, राज तुम्हारा — नहीं चलेगा, नहीं चलेगा। जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी भागीदारी। बहुजन समाज एक हो। हमारा वोट, हमारी सरकार। संगठित बहुजन, सशक्त बहुजन। जो जमीन सरकारी है, वह जमीन हमारी है। बहुजन जागेगा, तब देश बदलेगा। शिक्षित बनो, संगठित बनो, संघर्ष करो। यह जानकारी सपा बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव रामबाबू सुदर्शन दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री व्यास यादव जिला अध्यक्ष देवरिया ने की सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सोलंकी, पूर्व सांसद श्रीमती कनकलता सिंह, पूर्व एमएलसी श्री जेपी जायसवाल, स्वामीनाथ भाई जी, दीनानाथ कुशवाहा, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुशवाहा, परवेज आलम, रंजना भारती, आदि लोग भारी संख्या में मौजूद थे।

अचानक लापता हुआ युवक,पुलिस ने दर्ज की गुमशुदगी

घर से बाजार जाने की बात कहकर निकला था युवक

बहराइच।थाना दरगाह शरीफ इलाके के ग्राम पंचायत कटरा बहादुरगंज का मजरा जौहरा गांव निवासी तेजराम राव का बीस वर्षीय पुत्र गौतम राव 10.03.2026 को घर से बहराइच मार्केट जाने की बात कहकर निकला था।देर शाम तक वापस न लौटने पर परिजनों को चिंता सताने लगी।पीड़ित पिता ने अपने बेटे के सभी दोस्तों को फोन लगाकर जानकारी की लेकिन कोई पता नही चला।आसपास व दूरदराज के नाते रिश्तेदारों के यहां भी पूछताछ किया फिरभी कोई

सुराग नही लग पाया।आखिरकार स्थानीय थाने में घटना के संबंध में लिखित तहरीर देकर मदद की गुहार लगाई गई।दरगाह शरीफ पुलिस ने 13.03.2026 को गुमशुदगी दर्जकरके शीघ्र बेटे को बरामद करने की बात कही।बेटे की कोई खोज खबर न मिलने से परिवारजन काफी व्याकुल दिखाई दे रहे हैं।पीड़ित पिता ने पुत्र की सकुशल बरामदगी करवाने के लिए जिला प्रशासन से मांग की है।

एसटीएफ ने एसआई भर्ती परीक्षा में नकल कराने वाले गैंग का किया पर्दाफाश

: 22 लाख में हुआ था परीक्षा पास कराने का सौदा

मथुरा (जीएनएस)। यूपी पुलिस उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा करके नकल कराने की साजिश रचने वाले गैंग का एसटीएफ ने पर्दाफाश कर दिया। जानकारी के अनुसार एसटीएफ मेरठ यूनिट ने शनिवार रात्रि में थाना राया क्षेत्र से एक शातिर को दबोच लिया। पकड़ा गया शातिर उसके साथी, भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों से मोटी रकम लेकर ब्लू-टूथ डिवाइस के जरिए परीक्षा पास कराने का लालच दे रहा था। बता दें कि एसटीएफ मेरठ यूनिट के उपनिरीक्षक संजय कुमार को सर्विलांस और मुखबिर से सूचना मिली थी कि थाना राया के गांव हवेली निवासी अनुज कुमार, कस्बा राया में पुलिस भर्ती के अभ्यर्थियों से ठगी करने और परीक्षा में नकल कराने के इरादे से अपने साथी से मिलने के लिए आने वाला है। सूचना मिलते ही एसटीएफ टीम ने बल्देव रोड स्थित रजनी लाइब्रेरी के पास घेराबंदी करके आरोपी को दबोच लिया। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर पकड़े गए शातिर अनुज कुमार ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए। शातिर ने बताया कि वह गोपाल रावत नाम के व्यक्ति के संपर्क में था। बताया कि गोपाल रावत अभ्यर्थियों को परीक्षा पास कराने के नाम पर प्रत्येक अभ्यर्थी से 22 लाख रुपए लेने की बात कह रहा था। योजना के अनुसार परीक्षा से पहले 3 लाख रुपए लिए जाते थे और परीक्षा के बाद 5 लाख रुपए के साथ अभ्यर्थी के मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र ब्लैंक चेक और शपथ पत्र भी लिए जाने की बतायी गई है। पकड़े गए आरोपी ने यह भी बताया कि उनकी योजना परीक्षा केंद्र पर ब्लू-टूथ डिवाइस उपलब्ध कराकेबाहर से पेपर हल करवाने का था, जिससे अभ्यर्थियों को नकल कराके पास कराया जा सके। एसटीएफ यूनिट ने आरोपी के पास से एक स्मार्ट फोन बरामद किया है, जिसमें अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड, व्हाट्सएप चैट और अन्य परीक्षाओं के कुल छह एडमिट कार्ड मिले हैं। इसके अलावा व्हाट्सएप पर 8 महत्वपूर्ण चैट और लेनदेन से जुड़े विवरण भी बरामद किए हैं। इस मामले में थाना राया में आरोपी अनुज कुमार, गोपाल रावत और उनके अन्य अज्ञात साथियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों का निवारण अध्यादेश समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस के मुताबिक मुख्य आरोपी गोपाल रावत फरार चल रहा है। फरार मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस टीमें दबिशें दे रही हैं।

मरकज-ए-तालीम-ओ-तर्बियत ट्रस्ट द्वारा नमाज-ए-जमाअत पढ़ाने वाले मौलानाओं और धार्मिक छात्रों के लिए विशेष क्लास का आयोजन

लखनऊः शहर के 'मरकज-ए-तालीम-ओ-तर्बियत ट्रस्ट' ने लोगों में धार्मिक और वैचारिक समझ बढ़ाने के लिए एक खास मुहिम शुरू की है। इसके तहत शहर के इमामों (नमाज पढ़ाने वालों) और दीन की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक बैठकों का सिलसिला शुरू हुआ है। इन प्रोग्रामों में बड़े विद्वान (उलेमा) कुरान की शिक्षाओं, इस्लाम के इतिहास और अहले-बैत (अ) के ज्ञान पर लगातार जानकारी दे रहे हैं। इसका मकसद युवाओं और छात्रों की पढ़ाई के साथ-साथ उनकी बेहतर तरबीयत (परवरिश) करना है ताकि वे आज के दौर की चुनौतियों का सामना कर सकें।

इन प्रोग्रामों में बड़े मौलानाओं ने जरूरी विषयों पर अपनी बात रखीः

मौलाना सैयद अशरफ अली अल-गरवी साहब ने शरीयत के कानूनों और उनकी बारीकियों के बारे में बहुत विस्तार से जानकारी दी।

मौलाना शेख अली इमाम साहब ने कुरान की गहराइयों और उसके सही मतलब को समझने पर रोशनी डाली।

मौलाना सैयद पयाम हैदर आजमी साहब ने शादी-ब्याह और परिवार से जुड़े सामाजिक मसलों के हल के लिए जरूरी बातें बताईं।

मौलाना शेख जहीर अब्बास साहब ने अख्लाक (अच्छे व्यवहार) और इंसान के किरदार को बेहतर बनाने पर जोर दिया।

मौलाना सैयद मोहम्मद मियां आब्दी साहब ने अल्लाह की एकता (तौहीद) के विषय पर आज के दौर की मिसालों के साथ बहुत ही प्रभावशाली बात कही।

इन बैठकों में बड़ी संख्या में मौलानाओं और छात्रों ने हिस्सा लिया और विद्वानों से सवाल-जवाब भी किए। शामिल होने वाले लोगों ने ट्रस्ट की इस कोशिश की खूब तारीफ की और कहा कि आज के दौर में ऐसे प्रोग्राम बहुत जरूरी हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऐसे प्रोग्राम आगे भी जारी रहेंगे।

मा0 उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य प्रादेशिक सरस मेले के द्वितीय दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हुए सम्मिलित

प्रयागराज (जीएनएस)। मा0 उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी रविवार को परेड ग्राउंड में आयोजित प्रादेशिक सरस मेले के द्वितीय दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस माननीय सांसद व गायक श्री मनोज तिवारी, पद्मश्री श्री कैलाश खेर, गायिका तृप्ति शाक्या के द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सरस मेला 10 दिनों तक लगातार चलता रहेगा, जिसमें विभिन्न कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जायेगी। सरस मेले विभिन्न विभागों के द्वारा वृहद स्तर पर उनसे सम्बंधित स्टॉल लगाये गये है। माननीय उपमुख्यमंत्री जी के द्वारा मेले में लगाए गए स्टॉलों पर जाकर स्वयं सहायता समूह के द्वारा निर्मित उत्पादों का अवलोकन किया गया तथा उनसे उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सरस महोत्सव के द्वितीय दिवस के अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि स्वयं सहायता समूह (रलक्ष) से जुड़ी महिलाएं आज प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन की मजबूत आधारशिला बन रही हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें 'लखपति दीदी' बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

माननीय उप मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि 10 दिवसीय सरस मेले में गरीबो के जीवन में खुशहाली लाने ,उनकी आर्थिक संवृद्धि हेतु एवं महिलाओं के सशक्तिकरण तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से समूह की दीदियो के द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री तथा उनके उत्पादों की पहचान हेतु स्टाल लगाए गये हैं इसलिये आप सभी लोग कुछ समानों की खरीदारी अवश्य करे।

माननीय उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के जीवन में व्यापक परिवर्तन आया है। जो महिलाएं पहले घर की चाहरदीवारी तक सीमित रहती थीं, आज वे अपने परिश्रम और उद्यमिता से परिवार की आय बढ़ाने के साथ-साथ गांव और समाज में सम्मान प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इन समूहों से जुड़ने के बाद महिलाओं की सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ी है और उन्हें परिवार तथा समाज में पहले से अधिक सम्मान मिल रहा है।

माननीय उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य वर्ष 2026 तक उत्तर प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की संख्या को 1करोड़ 10 लाख से बढ़ाकर 3 करोड़ तक पहुंचाना है। साथ ही प्रदेश में एक करोड़ 'लखपति दीदी' बनाना है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देशभर में छह करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का संकल्प लिया गया है, जिसके लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं आज कपड़ा निर्माण, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, कैंटीन संचालन, परिवहन तथा अन्य कई प्रकार के उद्यमों के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ा रही हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है और महिलाएं परिवार की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं केवल छोटे स्तर तक ही सीमित न रहें, बल्कि उन्हें उद्योग, उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन के क्षेत्र में भी आगे बढ़ाया जाए। सरस महोत्सव जैसे आयोजनों के माध्यम से इन महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचाने का अवसर मिलता है, जिससे उनकी आय में निरंतर वृद्धि होती है।

माननीय उप मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति में हुए व्यापक सुधार के कारण महिलाओं को सुरक्षित वातावरण मिला है। अपराधियों और माफियाओं पर सख्त कार्रवाई के चलते महिलाएं निर्भय होकर आगे बढ़ रही हैं और अपने उद्यमों को विकसित कर रही हैं।

सरकार के सहयोग से ये महिलाएं तेजी से 'लखपति दीदी' बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इससे न केवल उनकी आय में वृद्धि हुई है, बल्कि समाज में उनका सम्मान और आत्मविश्वास भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं केवल छोटे स्तर तक ही सीमित न रहें, बल्कि उन्हें उद्योग, उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन के क्षेत्र में भी आगे बढ़ाया जाए। सरस महोत्सव जैसे आयोजनों के माध्यम से इन महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचाने का अवसर मिलता है, जिससे उनकी आय में निरंतर वृद्धि होती है।

जब महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होंगी, तभी परिवार, समाज और राष्ट्र भी सशक्त होगा।

उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से आ'ान किया कि वे सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए बिना किसी भेदभाव के कार्य कर रही है और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

माननीय उप मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण का संकल्प लिया गया है, जिसमें महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

धर्म कर्म से जीवन धन्य होता है : उपमन्यु

भागवत सुनने व कराने वाले होते हैं परम सौभाग्यशाली : संजीवकृष्ण

मथुरा (जीएनएस)। प्रख्यात भागवत प्रवक्ता ठाकुर संजीव कृष्ण ने कहा कि जो लोग माया को प्राप्त कर धर्मनिष्ठ आचरण करते हैं, भागवत कथा एवं धार्मिक अनुष्ठान करते हैं और कराते हैं वह कलयुग में भी पुण्य आत्मा है। इस अवसर पर एनयूजेआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष डा. कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट ने कहा कि धर्म-कर्म से ही मानव जीवन धन्य बनता है। छावनी परिषद मथुरा के पूर्व वायस चेयरमेन श्री उपमन्यु एडवोकेट ने भागवत पीठ पर आरती की एवं भागवत आचार्य संजीव कृष्ण ठाकुर जी ने श्री उपमन्यु को अटरिया उढ़ाकर के सम्मानित किया एवं इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजन रायभा के प्रधान रवि शर्मा एवं उनकी पत्नी ने श्री उपमन्यु को उत्तरीय उढ़ाकर एक गदा भेंट करके मंच पर सम्मानित किया। इस अवसर पर समाज से भी भूपेंद्र अग्रवाल, पुष्पेंद्र लवानियां और अतुल पाराशर एडवोकेट आदि नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर कारागार विशालकाय पंडाल में भागवत श्रोताओं की भीड़ समा नहीं रही थी। गगन भेदी जय घोष कन्हैया की जय ,राधा कृष्ण की जय, गिरिराज धरण की जय के उद्घोष से पूरे वातावरण में धार्मिक गंगा की त्रिवेणी प्रवाहित होती रही।

फरह के निकट ग्राम सभा रायभा में चल रहे विशाल भागवत समारोह में भागवत प्रवक्ता ठाकुर संजीव कृष्ण, भागवत कथा के आयोजक रायभा प्रधान रवि शर्मा सपत्नीक, ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष डा. कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट का स्वागत करते हुए।

जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायणदास अग्रवाल एवं जीएलए विश्वविद्यालय

शिक्षा, शोध और प्लेसमेंट में लगातार आगे बढ़ रहा जीएलए विश्वविद्यालय : 80 से अधिक पाठ्यक्रमों की शिक्षा प्रदान करने वाला जीएलए पेशेवर और सर्वांगीण विकास का करता है वादा

मथुरा (जीएनएस)। 22 हजार से अधिक छात्रों के सपनों को साकार करने में जुटा जीएलए विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, कंप्यूटर अनुप्रयोग, फार्मास्युटिकल विज्ञान, शिक्षा, कानूनी अध्ययन, कृषि, मानविकी, वाणिज्य और जैव प्रौद्योगिकी के विभिन्न विषयों में डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तर पर शिक्षा प्रदान करता है। इसके साथ ही जीएलए विश्वविद्यालय के करीब 46 हजार से अधिक के अल्युमिनाई जीएलए का गौरव हैं और 700 से अधिक योग्य और अनुभवी संकाय सदस्य और एक हजार से अधिक स्टाफ सदस्य विश्वविद्यालय के लिए अकादमिक और कॉर्पोरेट भारत के प्रसिद्ध विशेषज्ञों के साथ-साथ सही शिक्षण वातावरण बनाने के लिए पूर्णकालिक सेवा में जुटे हुए हैं। वर्ष 1998 में 17 संकाय सदस्यों से लेकर अब 7 सौ से अधिक संकाय सदस्यों और 80 से अधिक पाठ्यक्रमों की शिक्षा प्रदान करने वाला जीएलए पेशेवर और सर्वांगीण विकास का वादा करता है। पेशेवर उत्कृष्टता और सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रतीक, विश्वविद्यालय उत्तरी भारत में अकादमिक खोज का एक प्रसिद्ध केंद्र है एवं इसने अपने सभी हितधारकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की दिशा में अपनी शैक्षिक यात्रा में कई मानक स्थापित किए हैं। जीएलए विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश सरकार से अनुमति पत्र (एलओपी) और ग्रेटर नोएडा में एक ऑफ कैंपस के लिए यूजीसी की मंजूरी प्राप्त करने वाला भारत का पहला निजी विश्वविद्यालय बन गया है। इसी के साथ दिल्ली, एनसीआर के शिक्षा केंद्र, नॉलेज पार्क में स्थित, ग्रेटर नोएडा परिसर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उत्कृष्ट प्लेसमेंट के लिए वहीं समर्पण प्रदान करने के लिए तैयार है। जिसके लिए जीएलए विश्वविद्यालय प्रसिद्ध है।

"जीएलए ऑनलाइन", जीएलए विश्वविद्यालय में दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (सीडीओई) बीबीए, बीसीए, बीकॉम, एमबीए और एमसीए जैसे यूजीसी मान्यता प्राप्त, हकदार ऑनलाइन डिग्री कार्यक्रम प्रदान करता है। जीएलए यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी सिस्टम में 15 लाइब्रेरी नेटवर्क शामिल हैं, यानी सेंट्रल लाइब्रेरी, ग्रेटर नोएडा कैंपस लाइब्रेरी, इंस्टीट्यूट लाइब्रेरी, डिपार्टमेंटल लाइब्रेरी और हॉस्टल लाइब्रेरी जो सामूहिक रूप से यूनिवर्सिटी के शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार कार्यक्रमों का समर्थन करते हैं। वर्तमान में पुस्तकालयों में दो लाख से अधिक मुद्रित पुस्तकें और 32 पत्रिकाएं, 1 हजार 71 ई-जर्नल, विश्वकोष, 9 हजार 8 सौ 50 सीडी और ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने वाले कई ऑनलाइन डेटाबेस हैं। यूनिवर्सिटी के पास फ्रिक्ड एनडीएल ऑफ इंडिया एवं डेवलपिंग लाइब्रेरीज नेटवर्क आदि के माध्यम से पांच करोड़ से अधिक ई-बुक्स, थीसिस, आर्टिकल्स, वीडियो और ऑडियो लेक्चर तक पहुंच है। वहीं रैंकिंग और मान्यताएं

जीएलए विश्वविद्यालय को 3.46 स्कोर के साथ प्रतिष्ठित एनएएसी,ए प्लस ग्रेड से मान्यता प्राप्त है, जो भारत में सभी एनएएसी (नैक) ए प्लस मान्यता प्राप्त राज्य और निजी विश्वविद्यालयों के बीच उच्चतम स्कोर है। इसे यूजीसी से 12-बी का भी दर्जा मिला है और यूजीसी, पीसीआई, एनसीटीई तथा बीसीआई द्वारा अनुमोदित है। इसके अलावा विश्वविद्यालय नवीनतम एनआईआरएफ इनोवेशन रैंकिंग 2025 में भारत के शीर्ष 48 फार्मेसी संस्थानों की लीग में शामिल हो गया है। इसके अलावा, इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, जीएलए यूनिवर्सिटी को वर्ष 2020 में आईएसीबीई मान्यता मिली है। वहीं एग्रीकल्चर विभाग को आईसीएआर से मान्यता मिली है। बिजनेस एजुकेशन के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायन परिषद (आईएसीबीई), यूएसए से मान्यता है। यहां आवासीय सुविधाएं बेहतर हैं। आवासीय क्षेत्र या अधिक लोकप्रिय रूप से "हॉस्टल विंग" के रूप में जाने-जाने वाले क्षेत्र, विशेष रूप से लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग बनाए गए हैं। विश्वविद्यालय परिसर में 6 हजार से अधिक छात्र रहते हैं। इसी के साथ अंशकालिक विशेषज्ञों के साथ-साथ पूर्णकालिक रेजिडेंट डॉक्टर भी हैं, जो परामर्शदाता छात्र की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं। परिसर के भीतर 3 एटीएम के साथ ही इंडियन ओवरसीज बैंक की एक पूर्ण बैंक शाखा और एचडीएफसी बैंक की स्मार्ट लॉबी उपलब्ध है। जीएलए की मुख्य विशेषताएं शानदार हैं।

विश्वविद्यालय के 12 हजार से अधिक शोध पत्र प्रकाशित, 800 से अधिक पेटेंट प्रकाशित और 100 से अधिक पेटेंट ग्रांट हुए हैं। इसी के साथ 150 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एमओयू और 27 करोड़ से अधिक परियोजनाएं संचालित हैं। आधिकारिक तौर पर जीएलए लॉन्च पैड के नाम पर इन्क्यूवेशन सेंटर के लिए यूपीआईटी से वित्त पोषित एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए स्थापित है। यह भारत का 14-वां संस्थान है, जिसके पास न्यू जेनरेशन इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योर डेवलपमेंट सेल (डीएसटी से वित्तीय सहायता के साथ न्यूजेन आईईडीसी) है। छात्रों को कैंपस के बाहर स्टार्ट-अप के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। जीएलए विश्वविद्यालय के इन्क्यूवेशन सेंटर में 65 स्टार्ट-अप इन्क्यूवेटेड हैं। जिनमें से 12 स्टार्टअप को करीब 1 करोड़ से अधिक रूपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जा चुकी है। वहीं जीएलए प्लेसमेंट की मुख्य बात करें तो 60 लाख से अधिक के पैकेज पर छात्रों को प्लेसमेंट ऑफर हुए। एनजेयूएमए कंसल्टिंग, अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, टीसीएस, कैपजेमिनी, इंफोसिस, ड्रीम 11, एक्सेंचर, बायजूस और कई अन्य बहुराष्ट्रीय कंपनियां कैंपस प्लेसमेंट के लिए जीएलए विश्वविद्यालय आती हैं।

पिछले 5 वर्षों में जीएलए में 86 प्रतिशत प्लेसमेंट हुए हैं। इसी के साथ 7 हजार से अधिक अल्युमिनाई विदेशों में सेवाएं दे रहे हैं। आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कैपजेमिनी ने जीएलए में अपना कोड एक्सपीरियंस सेंटर खोला है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र के करीब 3 हजार से अधिक छात्रों का चयन 5 सौ 50 से अधिक कंपनियों में हो चुका है। बीते वर्ष से जीएलए विश्वविद्यालय ने टॉप वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 351 से 400 रैंकिंग की सूची में जगह बनाई है। जीएलए के अल्युमिनाई सरकारी सेवा में उच्च पदों पर आसीन हैं। जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल ने बताया कि जीएलए विश्वविद्यालय की प्रमुख विशेषता और गर्व करने वाली बात यह है कि यहां के अल्युमिनाई केन्द्रीय एवं प्रदेश स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी सेवा में उच्च पदों पर आसीन हैं। जिनमें विभिन्न कोर्सों से से शिक्षा ग्रहण कर चुके अल्युमिनाई आईएएस 3, डीएसपी 2, आईईएस 13, इंस्पेक्टर 9, आईआरएमएस 2, लेफ्टिनेंट 7, मेजर 7, साइंटिस्ट 15, पीसीएस 10, असिस्टेंट कमांडेंट 3, कमिश्नर 2, आईएफएस 1, आईपीएस 1, आईआरएमएस 2, आईआरएस 1, जॉइंट डायरेक्टर 2, एसडीएम 1 और 1 मेयर हैं। बताया कि नामी गिरामी प्राइवेट कंपनियों में सेवाएं दे रहे अल्युमिनाई

अमेजन, फेसबुक, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल, नेसले, रिलाइंस, एडीडास, एचएसबीसी, हिताची, वेल्मार्ट, उएम, सिस्को, बैंक ऑफ अमेरिका आदि दिग्गज कंपनियों में डायरेक्टर, जीएम, एवीपी, फाउंडर, वाइस प्रेसीडेंट जैसे पदों पर नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। जीएलए तो खेलकूद में भी आगे है।

जीएलए विश्वविद्यालय भी खेलकूद में हमेशा आगे रहा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेले जाने वाले बैडमिंटन, फुटवाल, वॉलीबाल, क्रिकेट, योगा सेंटर के अलावा एथलेटिक्स का ट्रेक भी है। यही कारण है कि जीएलए के छात्र राष्ट्रीय लेवल पर होने वाले खेलों में बेहतर प्रदर्शन के साथ मेडलों पर कब्जा जमाते हैं। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में जीएलए के छात्र खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, पावरलिफ्टिंग, क्रिकेट में 29 गोल्ड, 26 सिल्वर और 25 ब्रॉन्ज मेडल

प्रयागराज सिविल लाइंस में 26 रमजान को इमरान अल्लाह की इफ्तार पार्टी

उत्तर प्रदेश पूर्व अपर महा अधिवक्ता और यूपी बार काउंसिल सदस्य प्रत्यशी जनाब इमरान उल्लाह साहब की इफ्तार पार्टी में उमड़ा जन सैलाब रमजान के मुबारक महीने में रोजा इफ्तार के जरिए मोहब्बत, भाईचारे और एकता का पैगाम देने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में प्रयागराज के सिविल लाइंस रोड के एक गार्डन में भव्य रोजा इफ्तार और भोजन का आयोजन किया गया।

इस मौके पर बड़ी तादाद में रोजेदारों ने एक साथ इफ्तार किया और मुल्क में अमन, तरक्की और आपसी भाईचारे की दुआएं मांगीं। कार्यक्रम में खास तौर पर इलाहाबाद सांसद उज्जवल रमण सिंह समाजवादी पार्टी के मेजा विधायक संदीप पटेल पूर्व मंत्री अंसार अहमद अब्दुल सलमान महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन यूथ ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष सैफ फरीदी अधिवक्ता रविंद यादव योगेश यादव संदीप यादव और अधिवक्ता गढ़ मौजूद रहे

मथुरा सजाने आ गए काशी-अयोध्या वाले, कन्हैया मित्तल के भजनों पर देर रात तक झूमे मथुरावासी, सनातन बढ़ावा, नारी सशक्तिकरण और नशा मुक्तिकरण का दिया संदेश

-श्रीकृष्णार्पण सेवा समिति द्वारा आयोजित किया गया फाग महोत्सव

मथुरा (जीएनएस)। बाबा श्री खाटू श्याम जी के तृतीय फाग महोत्सव में भजन गायक कन्हैया मित्तल ने ऐसा समां बांधा कि भक्त देर रात्रि तक उनके भजनों पर झूमते रहे। उन्होंने अपने भजनों के माध्यम से सनातन को बढ़ावा देने, नारी सशक्तिकरण, नशा मुक्तिकरण आदि का संदेश दिया। इसके बाद अंत में हुई फूलों की होली का भी सभी ने आनंद लिया। श्री कृष्णार्पण सेवा समिति द्वारा शनिवार को मसानी लिंक रोड़ स्थित ट्यूलिप रिसॉर्ट में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के पदाधिकारियों ने बाबा खाटू श्याम जी के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। इसके बाद भोपाल से आयीं गुंजन-गुनगुन तिवारी सिस्टर्स ने आपकी मधुर आवाज से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने श्याम तुझसे मिलने का सत्संग ही बहाना है, करके इशारों बुलाए गई रे बरसाने की छोरी, राधे-राधे जपो चले आएंगे बिहारी आदि भजनों पर भक्तों को झूमने पर मजबूर किया। इसके बाद जैसे ही भजन गायक कन्हैया मित्तल ने मंच संभाला तो पूरा परिसर खाटू श्यामजी के जयकारों से गूंज उठा। उन्होंने मथुरा सजाने आ गए काशी-अयोध्या वाले, मतलब किसी को रहने का कोई अधिकार नहीं। उन्होंने युवाओं से कहा कि भगवान शिव के नाम पर नशा करना छोड़ दो। सनातन में कहीं नहीं लिखा कि काली मां शराब पीती हैं और भोले बाबा नशा करते हैं। उन्होंने युवाओं से बुरी आदतों से दूर रहने की अपील की। इससे पूर्व समिति के पदाधिकारियों ने आगंतुकों का पटुका पहनाकर व चन्दन लगाकर भव्य स्वागत किया। अंत में ब्रज की कलाकार शालिनी शर्मा द्वारा प्रस्तुत फूलों की होली का सभी ने आनंद लिया और भक्तों पर जमकर पुष्प वर्षा की गई। इस दौरान भक्त अपने आराध्य को अपलक निहारते रहे। वहीं कार्यक्रम के अंत में ड्रा निकाले गए। लकी ड्रा में एक भक्त को वाशिंग मशीन व बंपर ड्रा में एक भक्त को एसी प्रदान की गई। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे आयोजन स्थल पर प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड तैनात किए गए थे। इस अवसर पर जुगल किशोर बैंक वाले, नंदकिशोर शंकर स्टील, पदम गोयल, अंशुमान गोयल, राजेश टाउनशिप, सुनील गोयल, रमाकांत सारस्वत, गौरव अग्रवाल, जीतू हरनौल वाले, प्रतीक शर्मा, अमित गुप्ता, राजकुमार गर्ग, पीयूष अग्रवाल, कन्हैया रिलैक्सो, पारस अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, ऋतिक अग्रवाल, सुमित वर्मा, जितेंद्र सूर्यवंशी, श्याम श्रीजी स्टूडियो, श्याम जनरेटर, दीप कुमार ड्रेस, रोहित सजावट, शिवम सजावट, मुकेश गोवर्धन, पवन गोवर्धन, कान्हा हरनौल, कुशाग्र, आशीष हैंडलूम, आशु इवेंट, चंद्रभान गोला, मोहित लाइट, आशीष रंगीस्वर, विशाल ठाकुर, प्रवीण बंसल, गिरधारी अग्रवाल, अनुज चौधरी, अनुज राजपूत, आशीष आढ़ती, गजेंद्र शर्मा, गिरधर, मोंटी, हर्षित अग्रवाल, अमित शर्मा, जीतू वैनी, महेश तायल, मौसम ड्रेस, पुरुषोत्तम गुप्ता, राधारमन लैब, राहुल टैंट, राहुल सुतिया, राम कैटर्स, संतोष सर्राफ, संतोष रामनगर, चिंटू कैटर्स, प्रियंक मल्होत्रा, अंकुर गोयल, श्यामसुंदर पालीवाल और पंकज इवेंट

इस दुनियां से मुझको तो नफरत है श्याम तेरी जरूरत है, तेरे राम जी से मेरे हनुमान मेरी राम-राम, आ गया दुनियादारी में बाबा सारी छोड़ के, कीर्तन की है रात बाबा आज तुमको आना है आदि भजनों की प्रस्तुतियां दीं। विभिन्न वाद्य यंत्रों पर कलाकारों ने भी उनका बखूबी साथ दिया। भजनों के मध्य में उन्होंने अलग-अलग उदाहरण देते हुए हिंदुओं से एकजुट होने का आ'ान किया। उन्होंने कहा कि खामनेई मरता ईरान में है और छाती भारत के लोग पीट रहे हैं। खाएंगे हमारे देश में और जय बोलेंगे औरंगजेब की। ऐसे लोगों को यहां